

---

## Vishnukrita Shiva Stuti 2

---

# विष्णुकृता शिवस्तुतिः २

---

### Document Information

---

Text title : Vishnukrita Shiva Stuti 2

File name : viShNukRRitAshivastutiH2.itx

Category : shiva, shivarahasya, stuti

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | ugrAkhyah saptamAMshaH | adhyAyaH 25| 513-514||

Latest update : June 16, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 16, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

---

Vishnukrita Shiva Stuti 2

विष्णुकृता शिवस्तुतिः २



(शिवरहस्यान्तर्गते उग्राख्ये)

विष्णुरुवाच ।

विश्वेश्वरोऽयं मदनान्तकोऽयं

मृत्युञ्जयोऽयं त्रिपुरान्तकोऽयम् ।

सर्वेश्वरोऽयं सुरवन्दितोऽयं

गौरीश्वरोऽयं च यमान्तकोऽयम् ॥ ५१३ ॥

विज्ञानमानन्दमनन्तमीड्यं

विश्वेश्वरं लिङ्गमिदं मनोज्ञम् ।

पश्यैतदाद्यन्तविहीनमार्ये

समर्चयात्रेश्वरमादिदेवम् ॥ ५१४ ॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते विष्णुकृता शिवस्तुतिः २ सम्पूर्णा ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । उग्राख्यः सप्तमांशः । अध्यायः २५। ५१३-५१४ ॥

- .. shrIshivarahasyam . ugrAkhyah saptamAMshaH . adhyAyaH 25 . 513-514..

Notes:

Viṣṇu विष्णु eulogizes and worships Viśveśvara Śiva विश्वेश्वर शिव, while residing in Kāśī काशी.

Proofread by Ruma Dewan

---

Vishnukrita Shiva Stuti 2

pdf was typeset on June 16, 2024

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

